जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

वर्ष- 58 | अंक-28 | जयपुर, सोमवार, 11 जुलाई, 2022 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

हर कौम मुझसे प्यार करती है, इसलिए मौका मिला : अशोक गहलोत

जयपुर (हमारा वतन) मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लगातार दूसरे दिन पार्टी में विरोधी खेमे को जवाब देते हुए कहा है कि सब कौम को साथ लेकर चलने की वजह से ही उन्हें बार-बार मौके मिलते हैं। अलवर के हरसौरा में मूर्ति अनावरण समारोह में गहलोत ने कहा- माली समाज का अकेला विधायक मैं खुद हूं। सब कौम को साथ लेकर चलता हूं, तब जाकर मुझे पांच साल अवसर मिलते हैं।

गहलोत ने कहा- मैं तीन बार केंद्रीय मंत्री रहा, तीन बार कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रहा, तीन बार राष्ट्रीय महासचिव और तीसरी बार आपके आशीर्वाद से मुख्यमंत्री बना हूं। पिछले चुनाव में आपने मुझे इतना प्यार दिया कि गांव-गांव में यह बात फैल गई कि अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए।

गहलोत ने कहा- पिछली बार भी हमने आपकी सेवा कम नहीं की थी, लेकिन मोदीजी ने हिंदुत्व की हवा फैलाई, धर्म के नाम पर चुनाव जीतना आसान है। मोदीजी की आंधी चली और वो पीएम बन गए।

राजस्थान में हमारी सरकार चली गई, हम लोग 21 पर रह गए। शीला दीक्षित जैसी मुख्यमंत्री खुद चुनाव हार गईं। हम लोग छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, दिल्ली,राजस्थान हार गए।

माली समाज का मैं अकेला विधायक, सब कौम मुझसे प्यार करती हैं

गहलोत ने कहा- माली समाज का राजस्थान में मैं अकेला विधायक हूं। मुझे बचपन से ये संस्कार दिए हैं, सबको साथ लेकर चलना। मैं किसी धार्मिक स्थल पर जाता हूं तो खुद के लिए नहीं पूरे ब्रह्मांड में पूरी मानव जाति के कल्याण की प्रार्थना करता हूं।

मैंने गुर्जर समाज पर लाठी तक नहीं चलने दी

गहलोत ने कहा- कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला जैसे व्यक्ति ने गुर्जर समाज के आरक्षण के लिए लगातार संघर्ष किया। जब बीजेपी की सरकार थी, तब गुर्जर आंदोलनकारियों पर 21 बार फायरिंग हुई। हमारे राज में फायरिंग छोड़िए, मैंने गुर्जर समाज के किसी व्यक्ति पर लाठीचार्ज तक नहीं करने दिया। हमने आंदोलन के दौरान बातचीत जारी रखी।

गहलोत के बयान के सियासी मायने, पायलट खेमे को मैसेज

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान को सचिन पायलट खेमे को जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। गहलोत ने चुनाव से पहले जनता में उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की गांव-गांव से आवाज की बात फिर उठाकर सचिन पायलट को जवाब दिया है।

सचिन पायलट समर्थक लगातार सोशल मीडिया में इस बात को उठाते रहते हैं कि पायलट की वजह से सरकार आई, लेकिन उन्हें सीएम नहीं बनाया। गहलोत ने इसी नरेटिव का जवाब दिया है।

गहलोत इन दिनों लगातार बिना नाम लिए पायलट खेमे पर हमलावर कर रहे हैं। गहलोत के इन बयानों को कांग्रेस की अंदरुनी सियासत में हलचल से जोड़कर देखा जा रहा है।

पूर्वजों की पुण्यतिथि पर किया गया पुण्य कार्य कभी व्यर्थ नहीं जाता : पूर्व विधायक सैनी

जयपुर (हमारा वतन) पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी ने अपनी पूजनीय माताजी स्व. जमना देवी धर्मपत्नी स्व. तेजाराम सैनी की 17 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित देते हुए गढ़ गणेश गौशाला चौमूं के लिए एक चारे की गाड़ी रवाना की गई। पूर्व विधायक सैनी ने कहा कि पुराणों में कहा गया है कि गौमाता की सेवा से बढ़कर कोई दूसरा महान पुण्य नहीं है। पूर्वजों की पुण्यतिथि पर किया हुआ पुण्य पूर्वजों की आत्मा को शांति प्रदान करता है। पूर्वजों की पुण्यतिथि पर किया गया पुण्य कार्य कभी भी व्यर्थ नहीं जाता है। हम सबको अपने पूर्वजों की पुण्यतिथि पर पुण्य कार्य करने चाहिए। स मौके पर उनकी पुत्रवधू किरण सैनी, रितु सैनी व पौत्र ध्रुव सैनी मौजूद रहे।

मोरीजा में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का विरोध जयपुर तक पहुँचा, ग्रामीणों ने जयपुर जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जयपुर (हमारा वतन) जयपुर जिले की चौमूं तहसील स्थित ग्राम पंचायत मोरीजा में चौमूं नगर पालिका को जेडीए द्वारा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट जमीन आवंटन का विरोध जयपुर तक पहुँच गया है । सरपंच मंगल चंद सैनी के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने जयपुर जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित को ज्ञापन सौंपा।

सरपंच मंगल चन्द सैनी ने जिला कलेक्टर को अवगत करवाया कि जयपुर विकास प्राधिकरण ने मनमर्जी से मोरीजा में अपने राजस्व अधिकार क्षेत्र वाले खसरा नंबर 1942 में से 2 बीघा जमीन चौमूं नगरपालिका को सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए पट्टा जारी कर दिया है। यह जेडीए की ओर से मनमर्जी एवं ग्राम हितों को नजरअंदाज करते हुए किया गया है।

आस पास के क्षेत्र में पशुपालकों के मुर्गी फार्म, टोडी बांध, संस्कृत विद्यालय का खेल मैदान, ग्राम पंचायत मोरीजा की आबादी भूमि, पुलिस फायरिंग रेंज, सहकारी समिति गोदाम, आवासीय कॉलोनी,कृषि भूमि व संस्कृत विद्यालय स्थित है। पहाड़ पर मां काली का मंदिर, बाबा रामदेव का मंदिर व भोमियाजी महाराज का मंदिर स्थित है। गंदगी से अनेक प्रकार की बीमारियां होने का डर भी है । जेडीए ने इन सभी स्थानों की अनदेखी करते हुए मनमर्जी से जमीन आवंटित की है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को जेडीए से चौमूं नगरपालिका के नाम पर आवंटन हुए पट्टे को निरस्त करवाने की मांग की। इस पर जिला कलेक्टर ने जल्दी ही इस पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया ।इस दौरान पूर्व कृषि मंडी सदस्य अशोक कुमार मीणा, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अनुपम आत्रेय, वार्ड पंच कन्हैया लाल जादम, समाजसेवी सुनील कुमार सैनी व ग्रामीण भी मौजूद रहे ।

पान वाले बाबा के सानिध्य में मनाई जाएगी श्री गिरधर टीला में गुरु पूर्णिमा

जयपुर (हमारा वतन) श्री गिरधर गौ सेवा समिति आश्रम गौशाला के संस्थापक श्री श्री 108 महंत श्री गिरधारीदास जी महाराज पान वाले बाबा के सानिध्य में आमेर तहसील की पंचायत समिति जालसू की ग्राम पंचायत खोरा श्यामदास के ग्राम चिराडा स्थित श्री गिरधर टीला गौ अभयारण्य में 13 जुलाई को गुरु पूर्णिमा गुरु का आशीर्वाद लेकर मनाई जाएगी । पान वाले बाबा ने बताया कि इस बार गौ अभयारण्य में ही गुरु पूर्णिमा मनाने का निर्णय लिया गया है । इस दौरान 48 घंटे के रामायण पाठ मय सम्पुट 9 ब्राह्मणों द्वारा, हवन, गुरु पूजा और भक्तों के लिए प्रसादी का भी आयोजन किया जाएगा ।

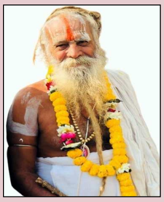

भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने किए शिला माता के दर्शन

जयपुर (हमारा वतन) अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने शिला माता के दर्शन कर देश प्रदेश की खुशहाली की कामना की । शिला माता के पुजारी ओमप्रकाश शर्मा ने पंडित रविन्द्राचार्य को माता की चुनरी ओढाई । इस दौरान बनवारी शर्मा, सुभाष शर्मा ,कालू गुर्जर ,आमोद चौधरी, पंडित हरिओम शास्त्री आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

चौमूं का इतिहास

गतांक से आगे.....

भाग 11

कुछ दिनों तक सामोद के साथ हाड़ोता में रहने से मनोहर दास जी ने दोनों ठिकानों का प्रशासन संभाला। उन दिनों हाडौता आय और आबादी में वर्तमान की अपेक्षा बहुत ही बड़ा हुआ करता था व उसकी भूमि में सर्वत्र ही जल बहता था। इसीलिए जौ, गेहूं, मक्का, बाजरा, तिल, कपास, सन, काकड़ा और ईख आदि सभी वस्तुएं ज्यादा मात्रा में पैदा होती और देश देशांतरों में जाती थी। हाड़ोता और भोपावास के बीच की भूमि में ईख पेरने, गुड़ बनाने, उसे बाहर भेजने और व्यापार करने के कई स्थान थे जो कारखाना के नाम से विख्यात थे। यही कारण है कि उन दिनों चौमूं छोटा सा शहर होने पर भी हाड़ोता की ढाणी कहलाता था और अब वही हाडौता समृद्धि में से हीन हो जाने के कारण चौमूं के समीप की ढाणी कहलाने लगा है। ठाकुर मनोहर दास जी ने हाड़ोता में भगवान का मंदिर बनवाया था और उसमें मुरली मनोहर जी की मूर्ति स्थापित करवाई थी । कालांतर में यह मंदिर जीर्ण शीर्ण हो गया और हाड़ोता के बदले चौमूं राजधानी बन जाने के कारण यह मूर्ति शहर में लक्ष्मीनाथ जी के मंदिर में स्थापित करवा दी गई और वही उसकी पूजा होती है। मनोहर दास जी की चौथी रानी (जिनसे ठाकुर करण सिंह का जन्म हुआ था) ने चौमूं में बावड़ी बनवाना प्रारंभ करवाया । उन्होंने सामोद में नाथा जी की छतरी बनवाई थी और स्वयं मनोहर दास जी ने काबुल विजय की स्मृति में पंचरंग का आमेर में विजय ध्वज नियत करवाया और वहां का सफेद झंडा अपने लिए प्राप्त किया था।

प्रिंस कुमार उप्पल (मुद्राशास्त्री) निदेशालय,पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग-जयपुर

शेष अगले अंक में

एनटीटी भर्ती 2018 बनी महिला बाल विकास विभाग की गले की फांस

जयपुर (हमारा वतन) महिला बाल विकास विभाग ने एनटीटी भर्ती 2018 को पुरी करवाने में बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है । राजस्थान सरकार ने एनटीटी कोर्स 2010 में बंद कर दिया । 2007 में एनसीटीई ने एनटीटी को तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में शामिल करवाने से मना कर दिया था लेकिन उस समय राजस्थान में 27 कॉलेज एनटीटी कोर्स करवा रही थी लेकिन उन 27 मे से एक कॉलेज गीता बजाज कॉलेज जयपुर की उसने एनटीटी की मान्यता न लेकर प्री प्राइमरी कोर्स की मान्यता ले रखी थी । शिक्षा विभाग ने उस कॉलेज को एनटीटी मानते हुए अभ्यर्थी को प्रशिक्षण करवाता रहा है, लेकिन एनसीटीई ने प्री प्राइमरी कोर्स को एनटीटी नही माना ना ही समकक्ष । जिसके कारण इस कॉलेज के अभ्यर्थी को नियुक्ति पर प्रश्न चिन्ह लग गया है । जब की अन्य एनटीटी अभ्यर्थी विज्ञप्ति के अनुसार नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने की मांग कर रहे हैं लेकिन विभाग अब कुछ भी नहीं जबाव दे रहा है ।

गौरतलब है कि प्रदेश सरकार ने बजट घोषणा 2018 में 1 हजार पदों पर भर्ती की घोषणा की गई थी । इसके साथ ही विज्ञप्ति जारी की गई तो प्रदेश के बेरोजगारों को बड़ी राहत देते हुए 1350 पदों पर भर्ती की विज्ञप्ति जारी की गई । एनटीटी शिक्षक भर्ती में विज्ञप्ति में एनसीटीई से मान्यता प्राप्त 2 वर्षीय एनटीटी प्रशिक्षण मांगा गया था और विज्ञप्ति के क्रम में ही महिला एवं बाल विकास विभाग ने 13 जनवरी 2021 को 441 अभ्यर्थियों का ज्वाइनिंग आदेश जारी किया, लेकिन 17 मार्च 2021 को 53 नियुक्तियां गीता बजाज कॉलेज जयपुर की छात्राएं जिनका प्रशिक्षण एनटीटी न होकर पीपीसी (प्री प्राइमरी कोर्स) से जो विज्ञप्ति की शर्तों से अनुसार नहीं ओर ना ही समकक्ष है व महिला बाल विकास विभाग ने 2012 में एनटीटी भर्ती के लिए सेवा नियम बनाये थे उसमे भी एनटीटी का प्रावधान किया गया होकर लेकिन विभाग ने इनको अनदेखी करते हुए गीता बजाज कॉलेज की 53 अभ्यर्थी को नियुक्ति दे दी व दूसरी सूची में इसी कॉलेज के अभ्यर्थी को नियुक्ति दे दी जिसके कारण अन्य राज्यों के छात्र गीता बजाज को आधार बनाकर कोर्ट में चले गए जिनका कोर्स भी एनटीटी का नही है , जिससे प्रदेश के योग्य एनटीटी छात्रों को नियुक्ति से वंचित होना पड़ रहा है ।

RAJASTHAN NTT

एनटीटी संघर्ष समिति के प्रदेश महसचिव विष्णु शर्मा ने कहा कि गीता बजाज कॉलेज के अभ्यर्थीयों के लिए विभाग अलग से पद सृजित करे जिससे विज्ञप्ति अनुसार भर्ती पूरी हो सके ।

चाहता हूँ

उम्मीद को छल गए हैं शब्द तेरे
अब तो मैं निःशब्द होना चाहता हूँ
सुन रखा है के प्रबल प्रारब्ध है बस
तबसे मैं प्रारब्ध होना चाहता हूँ
रिश्तों ने भटका दिया था मार्ग से
स्वार्थवश रिश्ते तेरे थे ना पता था
मैं खो गया था दुनियाँ की
भीड़ में बस
मैं तो मेरे सामने भी ला-पता था
जबसे सुना है खुद को
पा लेना है सिद्धि
तबसे निज को लब्ध
होना चाहता हूँ
उम्मीद को छल गए हैं शब्द तेरे
अब तो मैं निःशब्द होना चाहता हूँ
कौन अपना है जहाँ
में तुम क्या जानो
तुम तो बस इस्तेमाल
करना जानते हो
तुम को अपना मानते हैं हजारों
क्या तुम भी किसी को
अपना मानते हो?
देख कर रंगत तुम्हारी डर गया हूँ
मैं बस खुद के लिए उपलब्ध
होना चाहता हूँ
उम्मीद को छल गए हैं शब्द तेरे
अब तो मैं निःशब्द होना चाहता हूँ
अंत में खुद का हो जाना है बेहतर
लोगों का होकर नहीं हासिल
है कुछ भी
जबसे खुद में रहने
का आदी हो गया हूँ
अबतो मुझमे नहीं शामिल
है कुछ भी
बस मुझतक मेरी बात
को ले जाने वाला
एक सटीक सा लफ्ज
होना चाहता हूँ
उम्मीद को छल गए हैं शब्द तेरे
अब तो मैं निःशब्द होना चाहता हूँ

सिद्धार्थ गोरखपुरी

(गीत) भोला भंडारी

बम बम भोले भंडारी,
तेरी महिमा है निराली।
करते नंदी की सवारी,
लगती सबको है प्यारी।...

अर्द्ध चंद्र मस्तक सोहे,
धारे जटा बीच गंगधारा।
तन पर भस्म रमाये,
पहने गल रूद्राक्ष की माला।
डम डम डमरू बाजे,
फुँकारे वासुकी विषधारी।
करते नंदी की सवारी,
लगती सबको है प्यारी।...

भाल त्रिपुंड कान में कुंडल,
शोभित त्रिनेत्र मुखमंडल।
पहने बाघाम्बर छाला,
रखते कैलासी श्रृंगी-कमंडल।
देवाधिदेव महादेव कहलाते,
धनु पिनाक त्रिशूलधारी।
करते नंदी की सवारी,
लगती सबको है प्यारी।...

संग में माँ गौरा बिराजे,
गोद गणेश-कार्तिक लाल।
तांडव रूप होता विकराल,
कालों के है महाकाल।
भांग धतूरा प्रसाद पाकर,
अलमस्त शंख मृदंगधारी।
करते नंदी की सवारी,
लगती सबको है प्यारी।

महेन्द्र सिंह कटारिया

एनएसएस आच्छादित विद्यालयों में मेरा पेड़-मेरा दोस्त के तहत पौधारोपण के दिए निर्देश

देहरादून (हमारा वतन) उत्तराखंड के राष्ट्रीय सेवा योजना आच्छादित विद्यालयों में मेरा पेड़-मेरा दोस्त (मेरा वृक्ष-मेरा मित्र) अभियान के तहत सघन पौधारोपण के लिए अजय कुमार अग्रवाल राज्य एनएसएस अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ निदेशालय युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल देहरादून ने उत्तराखंड के समस्त एनएसएस समन्वयकों को निर्देश किया है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि लम्बे समय से पर्यावरण संरक्षण, संवर्द्धन व वृहद पौधरोपण के क्षेत्र में कार्य कर रहे राजकीय इण्टर कालेज मरोड़ा (सकलाना) में कार्यरत पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी पूर्व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी ने राष्ट्रीय सेवा योजना से आच्छादित विद्यालयों में वन महोत्सव, हरेला व 25 जुलाई श्रीदेवी सुमन दिवस पर मेरा पेड़-मेरा दोस्त, मेरा वृक्ष-मेरा मित्र के तहत सघन पौधरोपण किये जाने का सुझाव दिया था जिस पर राज्य एनएसएस अधिकारी ने उत्तराखंड के समस्त समन्वयकों को मेरा पेड़-मेरा दोस्त अभियान के तहत पौधारोपण करने के निर्देश दिए है। वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी ने कहा कि पेड़ पौधों का रोपण भावनावों से जोड़कर किया जाए तभी रोपित पौधों का संरक्षण होगा। हमारा लक्ष्य पौधारोपण के साथ रोपित पौधों को जीवित रखने का होना चाहिए तभी पौधों का संरक्षण होगा।

डॉ सोनी ने एनएसएस के स्वयंसेवियों से अपील की मित्र व दोस्त बनाकर मेरा पेड़-मेरा दोस्त (मेरा वृक्ष-मेरा मित्र) के तहत इस वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधरोपण करना चाहिए तभी उत्तराखंड को हरित प्रदेश के बना पाएंगे। इस दौरान एनएसएस प्रकोष्ठ निदेशालय युवा कल्याण एवं प्रारद से वंदना सुंदरियाल व सुमित पुरोहित मौजूद रहे ।

20 हजार खादी कामगारों को मिलेगा खादी कामगार आर्थिक प्रोत्साहन योजना का लाभ

जयपुर (हमारा वतन) प्रदेश में खादी को बढ़ावा देने और खादी कामगारों के प्रोत्साहन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ निर्णय ले रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'खादी कामगार आर्थिक प्रोत्साहन योजना' के प्रारूप का अनुमोदन कर दिया है। साथ ही उन्होंने वर्ष 2022-23 में कामगारों की आर्थिक सहायता के लिए 9 करोड़ रूपये की वित्तीय स्वीकृति भी प्रदान की है। गहलोत की इस स्वीकृति से प्रदेश के लगभग 20 हजार खादी कामगारों को पर्याप्त पारिश्रमिक मिलेगा। इससे उनके जीवनयापन में सुधार हो सकेगा। इस योजना के अंतर्गत राज्य के खादी कत्तिन/बुनकरों को खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा कॉस्ट चार्ट अनुसार निर्धारित दरों के अतिरिक्त प्रतिगुंडी/प्रति वर्ग मीटर बतौर अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा खादी संस्था/समितियों में कार्यरत कार्यकर्ताओं को भी खादी संस्था/समितियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं पर प्रति वर्ग मीटर के अनुसार प्रोत्साहन राशि मिल सकेगी। इस योजना हेतु सॉफ्टवेयर के निर्माण, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं डाटा एन्ट्री सहित अन्य कार्यों के लिए 36 लाख रूपए का व्यय होगा। योजना में खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी संस्था/समितियों के जरिए कामगारों के आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। कामगारों को प्रोत्साहन राशि सीधे बैंक खाते में उपलब्ध कराई जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने बजट 2022-23 में खादी क्षेत्र के कामगारों यथा कत्तिन/बुनकरों एवं कार्यकर्ताओं को पर्याप्त पारिश्रमिक दिलाए जाने के लिए 'खादी कामगार आर्थिक प्रोत्साहन योजना' लागू करने की घोषणा की थी।

मुखौटा

इसे कहते हैं
दुनियाँ मेरी जान
हर कोई है
यहाँ मुखौटे में
चारों तरफ नजर दौड़ा कर
कहीं भी देख लो
सिर्फ मुखौटे
ही मुखौटे
नजर आएंगे
सब अपनी सहूलियत एवं
आवश्यकतानुसार
लगा लेते हैं
अलग-अलग
मुखौटे यहाँ
सरे आम मुखौटे हैं
बिकते हैं यहाँ
आलम यह
हो गया अब कि
बिना मुखौटे
सूरतें लोगों की
बड़ी कुरूप लगती
अब शिकायत कैसी
मुखौटा तुमने भी पहना है
मुखौटा मैंने भी पहना है ।

योगिता जोशी अनुप्रिया (राजस्थान)

जॉब्स

1. स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (SSC) दिल्ली पुलिस, पद हेड कांस्टेबल AWO/TPO, पद संख्या 857, अंतिम तिथि 29 जुलाई 2022
2. स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (SSC) दिल्ली पुलिस, पद कांस्टेबल ड्राइवर, पद संख्या 1411, अंतिम तिथि 29 जुलाई 2022
3. राजस्थान पब्लिक सर्विस कमिशन (RPSC), पद सीनियर फिजिकल एजुकेशन टीचर, पद संख्या 461, अंतिम तिथि 13 अगस्त 2022
4. राजस्थान पब्लिक सर्विस कमिशन (RPSC), पद प्रोटेक्शन ऑफिसर, पद संख्या 4, अंतिम तिथि 9 अगस्त 2022
5. आइटीबीपी, पद सब इंस्पेक्टर ओवरसीर, पद संख्या 37, अंतिम तिथि 14 अगस्त 2022
6. इंडियन आर्मी, पद अग्निवीर, पद संख्या घोषित नहीं, अंतिम तिथि 3 अगस्त 2022
7. इंडियन नेवी, पद अग्निवीर एसएसआर/एमआर, पद संख्या घोषित नहीं, अंतिम तिथि 22 जुलाई 2022
8. आईबीपीएस, पद सीआरपी क्लर्क, पद संख्या 6035, अंतिम तिथि 21 जुलाई 2022

राजस्व मंडल सदस्यों को राजस्व न्यायालय एवं कार्यालयों के पर्यवेक्षण का दायित्व

जयपुर(नि.सं.)। राजेश्वर सिंह के निर्देशानुसार राज्य के संभागीय आयुक्त एवं जिला कलेक्टर कार्यालयों को छोड़कर राज्य में स्थित विविध स्तरीय राजस्व कार्यालयों एवं न्यायालयों के निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण का दायित्व राजस्व मंडल के सदस्यों को सौंपा गया है।

48 साल की एक्ट्रेस को दीदी-दीदी बोलता था 24 साल का प्रोड्यूसर, फिर एक दिन रख दी ऐसी डिमांड

साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस चार्मिला ने कास्टिंग काउच पर शॉकिंग खुलासा किया है। 48 साल की चार्मिला ने खुलासा किया कि 24 साल के प्रोड्यूसर्स ने उन्हें 50 हजार रुपयों के बदले सेक्शुअल फेवर मांगा। उन्होंने एक्ट्रेस से कहा कि पैसों के बदले वो उनमें से किसी एक को सेक्स के लिए चुनें। फिल्म और ग्लैमर इंडस्ट्री से अकसर ही कास्टिंग काउच की खबरें सामने आती रही हैं। कई एक्टर्स और एक्ट्रेसेस को इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा और बाद में उन्होंने शॉकिंग खुलासे भी किए। अब साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस चार्मिला ने कास्टिंग काउच को लेकर शॉकिंग खुलासा किया है। 48 साल की चार्मिला ने बताया है कि जिन प्रोड्यूसर्स के साथ वो एक फिल्म कर रही थीं, वो उन्हें पहले तो बड़ी बहन बोलते थे और फिर बाद में 50 हजार रुपयों के बदले सेक्शुअल फेवर मांगने लगे। चार्मिला ने इंटरव्यू में कास्टिंग काउच का एक्सपीरियंस शेयर किया। चार्मिला ने बताया कि उन्होंने हाल ही एक फिल्म की शूटिंग की, जिसमें वो मां के रोल में थीं। चार्मिला ने बताया कि यह एक मलयालम फिल्म थी, जिसकी शूटिंग कालीकट में हुई। इस फिल्म के प्रोड्यूसर्स बहुत यंग थे। उनकी उम्र करीब 24 साल की थी। चार्मिला के मुताबिक, शुरुआत में तो वो उन्हें बड़ी बहन बुलाते थे, लेकिन तीन दिन बाद उन प्रोड्यूसर्स ने उनके असिस्टेंट को अप्रोच किया और 50 हजार रुपयों के बदले सेक्स की डिमांड की। प्रोड्यूसर्स ने चार्मिला से डिमांड की कि वो पैसों के बदले उनमें से किसी को अपने साथ सेक्स के लिए चुनें। यह जानकर चार्मिला के होश उड़ गए। उन्हें कुछ समझ नहीं आया कि हो क्या रहा है। फिर उन्होंने उन प्रोड्यूसर्स से कहा कि वो उनके बेटों से उम्र में बस थोड़े से बड़े हैं। उन्हें एक्ट्रेस को अपनी मां समझना चाहिए। लेकिन उन प्रोड्यूसर्स ने चार्मिला की एक नहीं सुनी। इसके बाद चार्मिला वहां से निकलीं और फ्लाइट पकड़कर चेन्नै वापस आ गईं। चार्मिला एक सिंगल मदर हैं और उनका एक बेटा है। चार्मिला ने 1995 में एक्टर किशोर सत्या से शादी की थी, लेकिन 4 साल बाद ही उनका तलाक हो गया।

बॉडी शेमिंग का शिकार हुई कृति सेनन, वर्कआउट वीडियो देखते ही लोगों ने उड़ाई खिल्ली

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन का लेटेस्ट वर्कआउट वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो को देखने के बाद लोग कृति सेनन की बॉडी शेमिंग करते हुए भद्दे-भद्दे कॉमेंट्स कर रहे हैं। टीवी और फिल्मी दुनिया से जुड़े सेलेब्स अक्सर बॉडी शेमिंग का शिकार होते हैं। लोग बिना कुछ सोचे-समझे अपनी राय सामने रखते हैं और कई बार ऐसा हुआ है कि उन्होंने पब्लिकली किसी भी सेलेब को उनकी बॉडी की शेप या फिर रंगत को लेकर मजाक बनाया हो। अब बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन भी इसका शिकार हुई हैं। दरअसल एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वर्कआउट वीडियो शेयर किया है। सामने आए इस वीडियो में कृति सेनन जिम में अपने ट्रेनर की मदद से फुल बॉडी स्ट्रेचिंग करती हुई नजर आ रही हैं। इस वीडियो को देखते ही लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है।

वायरल हुआ कृति सेनन का वीडियो -कृति सेनन के लेटेस्ट वर्कआउट वीडियो को कई इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया गया है। लोगों की मानसिकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह बिना कुछ सोचे-समझे ही उनके लिए भद्दे-भद्दे कॉमेंट्स कर रहे हैं। कई लोगों ने तो कृति सेनन को फ्लैट बता डाला है। वहीं कुछ लोग कृति सेनन की बॉडी शेमिंग करते हुए अपनी हदें ही पार करते जा रहे हैं। फिलहाल तो कृति सेनन को चाहने वाले फैन्स इस पोस्ट पर उनकी तारीफ कर रहे हैं और उनके डेडीकेशन की दाद दे रहे हैं।

इन फिल्मों में दिखेंगी कृति-वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति सेनन ने आईफा 2022 में फिल्म मिमी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड अपने नाम किया है। अपने डेब्यू के लगभग आठ साल के बाद कृति सेनन को यह अवॉर्ड मिला है।

आलिया भट्ट ने खोले ससुराल के राज, बोलीं- वहां आरती से लेकर खाना तक सब साथ में होता है

आलिया भट्ट मिसेज कपूर बन गई हैं और शादी के बाद अपनी ससुराल यानी कपूर फैमिली की तारीफ करते नहीं थक रहीं। कॉफी विद करण में उन्होंने अपनी और रणबीर की फैमिली में अंतर बताया और कहा कि काफी क्यूट है।

आलिया भट्ट हाल ही में कपूर फैमिली में पहुंची हैं। अप्रैल में उनकी शादी रणबीर कपूर से हुई है। कॉफी विद करण 7 में वह पहली गेस्ट के तौर पर पहुंचीं। उनके साथ रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को-स्टार रणवीर सिंह भी थे। शो में आलिया भट्ट ने कपूर खानदान से जुड़ी कुछ बातें बताईं और यह भी बताया कि इस पर उनका क्या रिऐक्शन था। आलिया ने बताया कि वह न्यूक्लियर (एकल परिवार) में बड़ी हुई हैं। अब उनका ससुराल काफी बड़ा है। आलिया के घर में सब लोग अपने काम से काम से काम रखते थे लेकिन कपूर फैमिली में लोग सारे काम एक साथ करते हैं।करण जौहर के शो पर आलिया ने अपने ससुराल से जुड़ी कुछ इंट्रेस्टिंग बातें बताईं। आलिया बताती हैं, मैं अपनी मां (सोनी राजदानी), बहन (शाहीन भट्ट), पिता (महेश भट्ट) के बीच बड़ी हुई हूं। बस इतना ही। हमारी बातचीत लिमिटेड थी। हम बहुत क्लोज फैमिली रहे हैं लेकिन हमारा परिवार बड़ा नहीं है।

अबॉर्शन के बाद आपको सबसे ज्यादा अपना ख्याल रखना है

एक्सपर्ट बता रहीं हैं इसके शारीरिक और भावनात्मक कारण

जब आप किसी बच्चे को जन्म देती हैं, तब इसे आपका नया जन्म माना जाता है। पर अबॉर्शन भी आपके शरीर और भावनाओं को कमजोर कर देनी वाली प्रक्रिया है।अमेरिका में लगभग आधी से ज़्यादा प्रेगनेंसीज़ अनवांटेड होती हैं। गर्भावस्था का दर अधिक होने के साथ, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि चार में से एक महिला का 45 वर्ष की आयु तक गर्भपात हो जाता है। द गुट्टमाकर इंस्टीट्यूट द्वारा 2017 के एक अध्ययन में पाया गया कि यू.एस.ए. में, 18% गर्भधारण में आगे चलकर अबॉर्शन होता है। ज़्यादातर अनवांटेड प्रेगनेंसीज़ के केस में यह होता है कि आपको पता चलता है कि आप गर्भवती हैं और आपको इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं होती है।ऐसे में जब आपको अचानक से पता चलता है तो आपके मन में कई तरह के ख्याल आना लाज़मी है। कि अबॉर्शन कराना सेफ है या नहीं? इसे करने के बाद आगे चलकर प्रेगनेंसी में कोई समस्या तो नहीं आएगी?हमें सबसे ज़्यादा डर इस बात का लगता है कि अबॉर्शन कराने के बाद क्या होगा। क्योंकि यह हर महिला के लिए एक कठिन निर्णय होता है। इसलिए आपकी शंकाओं को दूर करने के लिए हमने बात की प्रसूति और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ऋतु सेठी से।

तो अबॉर्शन के बाद आपको किस तरह के लक्षणों का सामना करना पड़ता है-कई महिलाओं को गर्भपात के बाद पहले कुछ दिनों में रक्तस्राव और ऐंठन का अनुभव होता है। यह सामान्य है क्योंकि आपका गर्भाशय गर्भावस्था से पहले के आकार में वापस आ जाता है। हल्का रक्तस्राव या स्पॉटिंग छह सप्ताह तक रह सकता है, लेकिन कुछ महिलाओं को बिल्कुल भी रक्तस्राव का अनुभव नहीं होता है।गर्भपात के बाद, आपके हार्मोन को गर्भावस्था से पहले के स्तर पर स्थिर होने के लिए समय चाहिए। आपको मूड स्विंग्स के साथ ये लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं।

जरूरत पड़ने पर आराम करें-अबॉर्शन को ट्रिगर करने वाले शारीरिक और भावनात्मक परिवर्तन आपको थका हुआ महसूस कर सकते हैं। अपने शरीर को सामान्य होने के लिए समय दें।यदि आपके पेट में दर्द हो रहा है, तो इबुप्रोफेन जैसी दवा लेने से असुविधा कम हो सकती है। अपने पेट की धीरे से मालिश करने से दर्द कम हो सकता है ।

क्या आपकी गर्दन का रंग चेहरे से मेल नहीं खाता?

स्किन केयर की बात करें तो गर्दन के रंग का चेहरे से मेल न खाना या गहरा होना, एक बहुत ही आम समस्या है। इसलिए, इन आसान घरेलू नुस्खों से अपनी गर्दन का रंग निखारें।कहीं बाहर अच्छी सी ऑफ शोल्डर ड्रेस पहनने के दौरान क्या आपने भी गर्दन और चेहरे के रंग में अंतर महसूस किया है? वाकई में ये बहुत अजीब लगता है। हम आम तौर पर अपने चेहरे पर फेशियल, स्क्रबिंग और फेस-पैक लगा लेते हैं, लेकिन हमारा ध्यान गर्दन पर कभी नहीं जाता है।हमारे चेहरे की तरह हमारी गर्दन भी यूवी रेज़, प्रदूषण और धूल-मिट्टी का सामना करती है।

जिसकी वजह से इसका रंग गहरा हो जाता है और ये पिगमेंटेड दिख सकती है। इसलिए, चेहरे के साथ-साथ गर्दन को भी साफ करना महत्वपूर्ण है, बल्कि इसे रोजाना स्क्रब और मॉइस्चराइज करना भी जरूरी है।

यदि आपकी गर्दन का रंग ज़्यादा गहरा है तो बता दें कि बहुत अधिक धूप में रहना और प्रदूषकों के संपर्क में आना और केमिकल युक्त स्किनकेयर उत्पादों का अत्यधिक उपयोग करना गर्दन के कालेपन के कुछ कारण हो सकते हैं।

बेसन का उबटन-पारंपरिक उबटन का उपयोग आमतौर पर त्वचा की रंगत को हल्का करने के लिए किया जाता है। इसके अलावा, इसमें कई यौगिक होते हैं ।

जो पिगमेंटेशन को कम करने और आपकी गर्दन की त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करते हैं। बेसन त्वचा को एक्सफोलिएट करने में मदद करता है और छिद्रों को कसता है।लगभग 2 बड़े चम्मच बेसन, एक चुटकी हल्दी, आधा चम्मच नींबू का रस और गुलाब जल लें। मध्यम स्थिरता का पेस्ट पाने के लिए सभी सामग्री को एक कटोरे में मिलाएं।

मैनचेस्टर यूनाइटेड में एक ही बॉस

एरिक ने परफॉर्मेंस सुधारने बनाए 5 नियम; मीटिंग मिस की तो बाहर,पर्सनल शेफ नहीं, शराब भी बैन

मैनचेस्टर। दो हफ्ते पहले इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड से जुड़ने वाले नीदरलैंड के पूर्व फुटबॉलर एरिक टेन हेग ने क्लब का परफॉर्मेंस सुधारने के लिए उसके काम करने के तरीके में बदलाव किए हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 52 साल के एरिक अनुभवी और नए खिलाड़ियों के साथ एक समान सख्त रवैया अपना रहे हैं। वे क्लब को एकजुट रखने और लक्ष्य पर बेहतर फोकस करवाने के लिए खिलाड़ियों के साथ काफी सख्ती से पेश आ रहे हैं।एरिक के ये सख्त नियम मैनचेस्टर यूनाइटेड में बदलाव चाह रहे फैंस के लिए खुशखबरी माने जा सकते हैं। **एरिक ने खिलाड़ियों के खान-पान, फिटनेस और व्यवहार से जुड़े 5 नियम बनाए हैं।**

1. **टीम मीटिंग में आना जरूरी है**-चाहे कितना भी बड़ा खिलाड़ी हो, अगर वो मीटिंग या ट्रेनिंग के लिए लेट होता है तो उसे प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया जाएगा।
2. **शराब बैन**-मैच वाले हफ्ते में टीम का कोई भी खिलाड़ी शराब का सेवन नहीं करेगा।
3. **अब किसी का पर्सनल शेफ नहीं**-खिलाड़ियों की हेल्थ से जुड़े दूसरे बड़े फैसले लेते हुए एरिक ने खिलाड़ियों द्वारा पर्सनल शेफ रखने पर भी पाबंदी लगा दी है। वजह खिलाड़ियों के खान-पान के बारे में क्लब को जानकारी रहना जरूरी माना जा रहा है। इस नियम के बाद खिलाड़ी पर्सनल शेफ नहीं रख पाएंगे और उन्हें वही खाना होगा जो क्लब के शेफ बनाते हैं।
4. **हर महीने बॉडी मास इंडेक्स चेक**-खिलाड़ियों की फिटनेस के बारे में क्लब को पता रहे इसके लिए हर महीने खिलाड़ी का बॉडी मास इंडेक्स भी चेक होगा।
5. **एजेंट की वजाए उनसे सीधे संपर्क करें खिलाड़ी**-एक अन्य नियम में एरिक ने साफ किया है कि क्लब में कोई भी समस्या होने पर किसी एजेंट की बजाय खिलाड़ी सीधा उनसे संपर्क करे। ये फैसला इसलिए लिया गया है ताकि क्लब से बाहर कोई विवादित खबर ना जा सके और खिलाड़ियों की एकजुटता क्लब के अंदर बनी रहे।

ऐसे ही अयाक्स को डलवाई थी जीत की आदत-एरिक के नियम भले ही सुनने में सख्त लगें पर कोच के रूप में उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। मैनचेस्टर यूनाइटेड से पहले एरिक नीदरलैंड के अयाक्स क्लब से उस समय जुड़े थे, जब टीम 2019 में लगातार हार रही थी। एरिक के क्लब से जुड़ने के बाद वे जो बदलाव लेकर आए, उसके बाद टीम ने लगातार 3 घरेलू टाइटल अपने नाम किए थे।

7 साल बाद लौटे नेशनल गेम्स: गुजरात करेगा मेजबानी, 22 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच 5 शहरों में होगा आयोजन

नई दिल्ली । सितंबर माह में इंडिया का ओलिंपिक कहे जाने वाले नेशनल गेम्स का आयोजन हो रहा है। गेम्स की मेजबानी गुजरात करने जा रहा है। इस मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट का आयोजन 22 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच किया जाएगा।खेल गुजरात के पांच शहरों (अहमदाबाद, राजकोट, सूरत, भावनगर और वडोदरा) में आयोजित किए जाएंगे। खेलों का उद्घाटन और समापन समारोह अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हो सकता है। 7 साल के बाद देश में इन गेम्स का आयोजन हो रहा है। इससे पहले केरल ने साल 2015 में नेशनल गेम्स का आयोजन किया था।भारतीय ओलिंपिक संघ के महासचिव राजीव मेहता ने शुक्रवार को एक सोशल पोस्ट में यह घोषणा की है। मेहता ने पोस्ट में लिखा- 'मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि गुजरात नेशनल गेम्स की मेजबानी करने जा रहा है। मैं गुजरात सरकार के प्रस्ताव को जल्दी स्वीकार करने के लिए IOA का आभारी हूं।'

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

टिकिट

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965 ہمارا وطن ہفت روزہ
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन वीकली के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।

– सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

महंगाई की मार

अनाज, नून-तेल और दाल-सब्जी के भाव तो पहले ही बढ़ गए थे, अब रसोई गैस की वजह से आपका भोजन एक बार फिर महंगा होने जा रहा है। रसोई गैस सिलेंडर के दाम में 50 रुपये की वृद्धि कर दी गई है। पिछले एक साल से इसकी कीमत लगातार बढ़ रही है। इस दौरान इसके दाम 834 रुपये से बढ़कर 1053 रुपये हो गए हैं। यानी 26 फीसदी से भी ज्यादा की बढ़ोतरी। कुछ तो रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण और कुछ कोविड महामारी के अब तक चले आ रहे असर की वजह से विश्व बाजार में पेट्रोल की कीमतें जिस तरह से बढ़ रही हैं, उसका असर देर-सवेर भारतीय उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ना ही था। महंगाई के इस दौर को कुछ अर्थशा्त्रियों ने आयातित मुद्रास्फीति भी कहा है, यानी ऐसी महंगाई, जिसका असर घरेलू कारकों से कम, अंतरराष्ट्रीय बाजार के दबाव से ज्यादा हो। ऐसा भी नहीं है कि महंगाई सिर्फ भारत में बढ़ रही है, यह दुनिया भर में बढ़ रही है। विकसित देशों में भले ही इसका प्रतिशत इतना न हो, लेकिन वहां यह पिछले कई बरस के रिकॉर्ड तोड़ रही है। अगर भारत के पड़ोसी देशों को देखें, तो वहां बढ़ती महंगाई राजनीतिक अस्थिरता पैदा करने की हद तक पहुंच गई है। महंगाई चाहे घरेलू बाजार में पैदा हुई हो या सात समुंदर पार से आई हो, लोगों की कमर वह एक ही तरह से तोड़ती है। कहा जाता है कि जो गरीब टैक्स नहीं दे सकते, महंगाई उन पर थोपा गया टैक्स ही है। इसकी सबसे ज्यादा मार गरीबों पर ही होती है। यह बाकी लोगों की थाली का भोजन महंगा करती है, लेकिन गरीबों की थाली में तो यह भोजन ही कम कर देती है। इससे मध्य वर्ग की परेशानियां भी काफी बढ़ती हैं। बढ़ती महंगाई के बीच जून महीने में 'एक्सिस माई इंडिया' ने उपभोक्ताओं का एक सर्वे किया, तो पाया कि इसकी वजह से 59 फीसदी परिवारों को अपनी खरीदारी में कटौती करनी पड़ी है। कटौती का यह सिलसिला पिछले तीन महीने से लगातार जारी था। इस दौरान बहुत से लोगों ने छुट्टियों पर बाहर जाने या रेस्तरां में खाने के लिए जाने के कार्यक्रम भी स्थगित कर दिए। जिन लोगों ने खरीदारी में कटौती नहीं की, उनके खर्च काफी बढ़ गए थे। यह भी पाया गया कि लोगों की वास्तविक आमदनी अभी उस स्तर पर नहीं पहुंच सकी है, जहां वह महामारी से पहले थी। कोरोना काल में भी कुछ लोगों की कमाई तो बहुत बढ़ी दिखी, लेकिन इससे पूरे समाज की स्थिति में सुधार नहीं आया है।

राम गोपाल सैनी

विराज फाउंडेशन का शिव पार्थिव महा रुद्राभिषेक 17 जुलाई को

जयपुर (हमारा वतन) विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिव पार्थिव महा रुद्राभिषेक और महा आरती का आयोजन किया जाएगा ।

फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने बताया कि 17 जुलाई को रॉयल पैलेस गार्डन, रेलवे स्टेशन रोड पर 108 जोड़ों के द्वारा शिव पार्थिव महा रुद्राभिषेक और महाआरती का आयोजन किया जाएगा जिसमें संत शिरोमणि श्री श्री 108 महंत श्री गिरधारी दास जी महाराज ब्रह्मधाम राम टीला जोधावास थानागाजी अलवर और उदयपुरिया मठ के श्री श्री 1008 महंत श्री नरसिंहपुरी जी महाराज का सानिध्य रहेगा ।

रक्त दान जीवनदान फाउंडेशन ने फिर बचाई एक मासूम की जान

जयपुर (हमारा वतन) रक्तदान जीवनदान फाउंडेशन ने एक बार फिर मासूम की जान बचाई है । फाउंडेशन सह संचालक राजेन्द चौधरी ने बताया कि अजमेर निवासी पेशेंट काफी परेशानी में था । ब्लड बैंक स्टाफ के जरिये संपर्क हुआ और फाउंडेशन के अहम रक्तवीर ने प्लेटलेट्स डोनेट की । जानकारी के अनुसार टोंक नटवाडा निवासी भवानी शंकर ने महात्मा गांधी हॉस्पिटल में 40 दिन से एडमिट एक मासूम बच्चे के लिये प्लेटलेट्स डोनेट कर जान बचाई । भवानी शंकर ने अपने गांव से 90 किमी. दूर आकर 21 वां रक्तदान के रूप में प्लेटलेट्स डोनेट कर मानवता का फर्ज निभाया।

विनोद कुमार शर्मा बने जिला सचिव

जयपुर (हमारा वतन) ग्राम बरना के रहने वाले विनोद कुमार शर्मा को जयपुर जिला देहात कांग्रेस सेवादल उत्तर का जिला सचिव नियुक्त किया गया है । जिला सचिव की नियुक्ति राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत के निर्देश पर संभाग प्रभारी राजेंद्र सिंह अडवाना, जिला प्रभारी कमल सिंह यादव के निर्देश पर जयपुर जिला देहात कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष लल्लूराम सैनी ने दी ।लल्लूराम सैनी ने बताया कि कांग्रेस पार्टी के प्रति निष्ठा और ईमानदारी को देखते हुए इनको यह जिम्मेदारी दी गई है । विनोद शर्मा ने कहा कि मैं इस पद के प्रति निष्ठा भाव और निस्वार्थ भाव से कार्य करते हुए कांग्रेस सेवा दल की परंपराओं के अनुरूप कर्मठ सिपाही के रूप में कार्य कर पार्टी को मजबूत बनाने का प्रयास करूंगा ।

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य राधेश्याम शर्मा ने जन्मदिन पर निःशुल्क खाना बंटवाया

नीमकाथाना (हमारा वतन) नीमकाथाना आदर्श कॉलोनी निवासी पत्रकार व सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य राधेश्याम शर्मा ने अपने जन्मदिन पर स्वामी विवेकानंद पुनर्वास संस्था द्वारा संचालित राजस्थान सरकार की सराहनीय योजना इंदिरा रसोई का शाम का भोजन निशुल्क करवाया गया ।

राधेश्याम शर्मा ने भोजन कर्ताओं को अपने हाथ से भोजन वितरित किया ।

इस सराहनीय कार्य में इनकी धर्मपत्नी श्रीमती सरोज देवी शर्मा व्याख्याता सेवानिवृत्त, पुत्र वधू रिंकी शर्मा ने भी इस पुनीत कार्य में हाथ बटवाया । संस्था के ओम प्रकाश शर्मा, गुलशन कुमार शर्मा ने राजस्थान सरकार का अभिनंदन पत्र देकर सम्मान किया ।

कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत का किया सम्मान

जयपुर (हमारा वतन) थल सेना से रिटायर्ड कैप्टन और श्री शिरडी साईं मंदिर ईटावा भोपजी के महंत पृथ्वी सिंह नाथावत का हमारा वतन समाचार पत्र में प्रकाशित कवर स्टोरी का फोटो फ्रेम भेंट कर सम्मान किया। इस दौरान हमारा वतन समाचार पत्र के संपादक राम गोपाल सैनी और पृथ्वी सिंह नाथावत के परिवार जन मौजूद रहे ।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
थाना मोड़, चौमूँ
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU !
फ्लैक्स/विनायल | ऑफसैट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
संरक्षक : बाबूलाल सैनी मो: 7296873757
सहायक सम्पादक: राकेश तिवाड़ी
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर शहर होगा